

होली पर मामूली विवाद में युवक की होली मारकर कर दी हत्या



कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। मृतक के शव का मंगलवार को डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम किया गया है। घटना के बाद राजनीतिक दलों के पदाधिकारीयों का जमावड़ा पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कर शब को परिजनों के सुरुपूर कर दिया गया है।

जनकरी के मुताबिक सोमवार होली के दिन रंग खेलने के बाद इनके के दो युवकों के बीच सुलाह समझौता कर दिया। अधिष्ठक शुक्ला नाम का युवक इस बात को बदौशंत न कर सका। उज्जवल बाजपैई रंग खेलने के बाद अपने घर चला गया। सोमवार शाम कीब छ. बजे उज्जवल बाजपैई होली का रंग छुड़ाने के बाद खाना खाने के लिए बैठ गया। खाने की थाली लगी ही थी कि उज्जवल बाजपैई के मोबाइल पर एक अज्ञात दोस्त का फोन आया और होली मिलने के लिए उसे घर से

बाहर बुलाया। खाने की थाली छोड़कर उज्जवल बाजपैई घर से बाहर चला गया। अरोप है कि इस दौरान अधिष्ठक शुक्ला ने उज्जवल बाजपैई के सीने में तमंचा सटाकर गोली मार दी। जिसके बाद उज्जवल बाजपैई की मौत हो गई। आरोपी अधिष्ठक शुक्ला ने सोमवार देर रात पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। मृतक के शव का मंगलवार को डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुरुपूर कर

दिया गया है। पोस्टमार्ट हाउस में मृतक के परिजनों, मोहल्लावासियों के साथ राजनीतिक दलों के पदाधिकारीयों का जमावड़ा लगा रहा। मृतक उज्जवल बाजपैई अपने पिता प्रेम प्रकाश बाजपैई का इकलौता बेटा था। उज्जवल बाजपैई की शादी 28 फरवरी 2023 को फूलबहड़ थाना क्षेत्र के दुधवा मन्दिर गांव से हुई थी। उज्जवल बाजपैई का कीब 3 महीने का बेटा भी है।

बजाज चीनी मिल बंदी की द्वितीय सूचना हुई जारी

पलियाकला-खीरी। बजाज हिंदूस्थान शुगर लिमिटेड पलिया द्वारा द्वितीय मिल बंदी सूचना दिनांक 28 मार्च 2024 को संबंधित समियों को भेज दी है। इस संबंध में यूनिट हेड ओपी चौहान ने बताया कि हामो थेट्रो कूष्ठों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गना प्रायर समाप्त हो गया है, जिस कारण हमारी चीनी मिल को मांग के अनुसार गना उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इससे मिल का पेराई कार्म बाधित हो रहा है। अतः क्षेत्र के समस्त विसान भाइयों से अनुरोध है कि दिनांक 28 मार्च 2024 तक चीनी मिल को अपना आपूर्ति योग्य गना अनिवार्य रूप से आपूर्ति कर देवे। इसके पश्चात चीनी मिल ऐपरेंस स्ट्र 2023-24 के लिए अंतिम रूप से बंद कर दी जाएगी।

होली मिलन समारोह में सांसद हेमा मालिनी सहित कैबिनेट मंत्री पहुंचे, दी शुभकामनाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मथुरा होली के अवसर पर नववर्ष मेला समिति द्वारा भगतसिंह पार्क में मंगलवार को आयोजित सांवर्जनिक होली मिलन समारोह में स्टॉल लगाए गए।

समिति पदाधिकारियों ने सांसद हेमा मालिनी, राजस्वार्थी सांसद वैष्णव सिंह, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, पूर्व मंत्री एवं पदाधिकारी कीरतिकां शर्मा, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, एमप्लासी ठा. ओपरेकाश सिंह, देवेंद्र शर्मा अध्यक्ष राज्य बाल व अधिकारी संरक्षण आयोग उत्तर प्रदेश, विनोद अग्रवाल महापौर, मथुरा-वृद्धावन नगर निगम, लक्की कमल सदस्य, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, रिक्विक्ट गर्भ, घनश्याम लोधी अध्यक्ष भाजपा मथुरा महानगर अदि सहित सभी अपूर्तक जनप्रतिनिधियों और गणपात्र व्यक्तियों को पटका पहनाएं, चंदन तिलक लगाया और सौंफ मिश्री भेट कर दिया गया। जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस। अतः एक अपूर्तक जनप्रतिनिधियों को अपूर्तक जनप्रतिनिधियों और गणपात्र व्यक्तियों को पटका पहनाएं, चंदन तिलक लगाया और सौंफ मिश्री भेट कर दिया गया।



की शुभकामनाएं दी। होली मिलन के इस शुभ अवसर पर समिति पदाधिकारियों द्वारा विश्वाल नववर्ष मेला के निर्माण पत्रक का विमोचन किया गया। सभी आपूर्तुकों को नववर्ष मेला का निर्माण पत्रक देकर मेला में सप्तरिवार सहभागिता कर सफलता बनाने का आग्रह किया गया। इसके पश्चात अधिकारीयों द्वारा रसोंग विवाहित व्यक्तियों को अपूर्तक जनप्रतिनिधियों और गणपात्र व्यक्तियों को पटका पहनाएं, चंदन तिलक लगाया और सौंफ मिश्री भेट कर दिया गया।

कृष्ण अग्रवाल, आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, प्रेषी अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सुभाष सैनी, अजय शर्मा, गंगाधर अरोड़ी, मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा, रामदास चतुर्वेदी, हरप्रीत सिंह, समीर बसल, वृषभान गोस्तामी, अंशुल गोस्तामी, नयन शर्मा, रुपेश चौधरी, राजेंद्र सिंह होरा आदि समिति पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दिल्ली से अयोध्या पैदल यात्रा करते दिल्ली पुलिस के अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

विश्राम किया ! उहोंने बताया कि भगवान राम के दर्शन करने के लिए उहोंने पैदल यात्रा करने की सौभांग ली है। उनके पास एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी है जिसमें वह अपने खाने-पीने की सामग्री को लेकर चलते हैं। श्याम सुंदर तोपर (उपरिक्षेपक दिल्ली पुलिस) ने बताया कि उनके लिए दिल्ली टाइम्स के शास्त्रीय शरोटी ने उनको जलपान कराया और कंपनी के शक्ति वाले लोगों ने उनके लिए उपरिक्षेपक करते हैं। उहोंने बताया कि दिल्ली से अयोध्या तक पैदल यात्रा करते हुए होली आज उहोंने बताया कि उह अपने परिवार के साथ करने में सोचा हुआ था। अज्ञात चोंगे ने घर में शुस्कर किचन में रखा मोबाइल 30 हजार रुपये की नई चोरी कर ले गए। वह गली नंबर 9 निवासी लालाराम ने बताया कि उनके घर से सोने के टप्पे, सोने की टीकी, सोने का पैंडिल, सोने का ऊम, गुलमान पट्टी, जेवरी और 20 हजार रुपये की नगदी चोरी हो गई। दोनों लोगों ने कोतवाली पहुंच कर पुलिस से शिकायत की है।

पुलिस गस्त की खुली पोल चोरों ने कई घरों में किया नकदी और जेवर पर हाथ साफ

पूर्णपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव नारायणपुर और मोहल्ला पंकज कलानी गली नंबर-7-निवासी अवर्वद मिश्रा और गली नंबर-9-निवासी लालाराम ने बताया कि उनके घरों में देररात चोरी हो गई जानकारी लाने पर परिजनों हड्डीपंक्ष मच गया। अरिंदह मिश्रा ने बताया कि उनके घरों में देररात चोरी हो गई जानकारी लाने पर उनके अपूर्तक जनप्रतिनिधियों द्वारा चोरी की खोली खेलने के साथ कराया गया। उनके घरों में देररात चोरी हो गई जानकारी देखने के लिए उनके घरों में देररात चोरी हो गई जानकारी लाने की अपूर्तक जनप्रतिनिधियों द्वारा चोरी की खोली खेलने के साथ कराया गया।

परिषदीय विद्यालय में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया होली का त्योहार

पौरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जानवरी के विवाद की बोली परिवर्तित कर कराया गया। इस विवाद की बोली परिवर्तित कर कराया गया। इस विवाद की बोली परिवर्तित कर कराया गया। इस विवाद की बोली परिवर्तित कर कराया गया।

महिला दरोगा के कार्रवाई की मांग को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

पौरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के मोहल्ला अशोक कोलानी की रहने वाली कार्यालयी की बोली परिवर्तित कर कराया गया। इस विवाद की बोली परिवर्तित कर कराया गया। इस विवाद की बोली परिवर्तित कर कराया गया।

महेशपुर वन रेज के देवीपुर बीट में गेहू के खेत से बाघ का शब्द हुआ बरामद

लखीमपुर-खीरी। इंडो-नेपाल सीमा से जुड़ा दुधावा टाइपर रिजवांगों के संरक्षण के लिए जाना जाता है। यह टाइपर रिजवांग बंगल टाइपर की पहचान के लिए खास माना जाता है। जिसको लेकर दूर-दूर से पर्यटक दुधावा टाइपर रिजवांग में पहुंचते हैं। विलुप्त हो रही प्रजातियों का एक-एक जानवर इस धर्ती की अमृत्यु धरोहर है और उनकी सुखा में करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। लेकिन दुधावा टाइपर रिजवांग इस वक्त वन्यजीवों की कब्रगाह बनना नजर आ रहा है। जहाँ आए दिन वन्यजीवों की बाबत आ रहा है।

आपको बता दें पलिया कोतवाली क्षेत्र के गोल्डन फ्लावर स्कूल में पढ़ने वाला एक छात्र शिवाय वाद्य स्कूल में अन्य छात्रों के साथ स्कूल के बाहर होली खेलते थे। रंग खेलने के दौरान दूर-दूर से उसकी संदिध अवधार में पड़ा हुआ मिल। जिसकी सूचा मिलते ही वन विभाग में हड्डीपंक्ष पचास लोग आये। जिसकी सूचा मिलते ही वन विभाग में हड्डीपंक्ष पचास लोग आये। जिसकी सूचा मिलते ही वन विभाग में हड्डीपंक्ष पचास लोग आये।

स्कूल के बाहर होली खेल रहे छात्र

की ट्रैक्टर ट्राली से हुई मौत

घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलियाकला-खीरी। नगर के सम्पूर्णनगर रोड पर स्थित गोल्डन फ्लावर स्कूल के एक छात्र की होली खेलते समय ट्रैक्टर ट्राली चपर में हुआ मिल।

स्वतंत्र जांच जरूरी लोकांतर्कित पक्षिया के स्थाभाविक प्रभाव को बाधित करने

प्रत्यारोप का सिलसिला नया नहीं है। खासकर चुनावी वेला में तो यह स्थिति चरम पर होती है। लेकिन इस टकराव का प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के स्वाभाविक प्रभाव को बाधित करने वाला नहीं होनी चाहिए। युद्ध की तरह से राजनीति के भी अपने नियम होते हैं और मुकाबले के लिये बराबर का अवसर भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही यह जरूरी है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध को दूर करने के लिये संवाद की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए, ताकि अनावश्यक गतिरोध को टाला जा सके। बीते गुरुवार को देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाए गए कि खाते फ्रीज करके पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की कोशिश सत्ता पक्ष की ओर से की जा रही है। यूं तो कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में लगातार सत्ता पक्ष की गीतियाँ-नीतियों पर हमलावर रही है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस द्वारा लगाए आरोपों की गंभीरता पर भी विचार किया जाना चाहिए। वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और विश्वसनीय बनाने के लिये विपक्षी दलों को मुकाबले का बराबर अवसर तो मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता व प्रामाणिकता को संबल मिलता है। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्य विपक्षी पार्टी को आयकर विभाग की कार्रवाई से वित्तीय संकट की ओर धकेला जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी की मुद्दे को लेकर गंभीरता इस बात से भी उजागर होती है कि हाल-फिलहाल यह पहला अवसर है कि पार्टी के तीन शीर्ष नेता कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आए। विशेष तौर पर ऐसी स्थिति में जब देश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है कांग्रेस के आक्षेप को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सत्ता पक्ष विपक्षी राजनीतिक दलों को बराबर का मौका उपलब्ध कराये, जिससे चुनावी मुकाबला न्यायसंगत बना रह सके। यदि मुख्य विपक्षी दल यह आरोप लगाए कि ऐन चुनाव के बक्त पार्टी के खाते फ्रीज करके उसके चुनाव लड़ने और प्रचार करने में बाधा उत्पन्न हुई तो यह स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिये अच्छा नहीं है। निश्चित रूप से कांग्रेस के आरोपों की स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। पार्टी का कहना है कि खाते फ्रीज होने से पार्टी के समक्ष उत्पन्न अर्थिक तंगी से पार्टी न विज्ञापन दे सकती है और न ही अपने नेताओं के लिये हवाई टिकट बुक करा पा रही है। उसका यह भी कहना है कि उसे रैली आयोजित करवाने में परेशानी हो रही है। हालांकि, कांग्रेस के आरोपों से इतर सरकार व आयकर विभाग के अधिकारियों की अपनी दलीलें हैं। उल्लेखनीय है कि गत 13 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट ने आईटीएटी के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सौ करोड़ से अधिक के बकाया कर की वसूली के लिये कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग से जारी नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने पार्टी को तब नये स्थगन आवेदन के साथ आईटीएटी का रुख करने की स्वतंत्रता दी थी। ऐसे में इस मुद्दे पर अंतिम राय बनाने से पहले सभी पक्षों के तर्कों पर विचार भी जरूरी है। सत्तारुद्ध दल के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पार्टी की हताशा का परिणाम बताया है। यह भी कि कांग्रेस के आरोपों से भारतीय लोकतंत्र की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद यह तथ्य निर्विवाद है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वतंत्र चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों को अनुचित ही कहा जाएगा। इससे चुनावों की पारदर्शिता व विश्वसनीयता पर आंच आ सकती है। विपक्षी दलों के इन आरोपों को भी बल नहीं मिलना चाहिए कि सरकार विपक्ष को दबाने के लिये सरकारी एजेंसियों व विभागों का इस्तेमाल कर रही है। निश्चित रूप से ऐसे आरोपों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को लेकर अच्छा संदेश नहीं जाएगा।

उसने एक रापता हाला हो है। वहन के नियमों का आसुरी शक्ति का वर्णन है, जो अन्याय और अत्याचार करती है। एक ऐसी ही शक्ति नरेंद्र मोदी को चला रही है। मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूंजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूँ। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मेरे 17 वर्षों के संग्रह में शिवजी की शिवजी पार्क की रैली में राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी की असलियत से पर्दा उठा दिया। उन्होंने कहा कि- मोदी सिर्फ एक मुखौटा हैं। महज एक एक्टर हैं। असली शक्ति कहीं और है जो देवी देवे नहीं है। देवी देवी ही है। देवी देवी ही है।

मोदी की बागडोर है। यह शक्ति पूर्जनी बानी और अडानी की है। मोदी व

समाजन क बाद 17 मार्च का मुबाइ के शवजा पाक म काग्रस पार्टी की रैली हुई। रैली में शरद पवार, उद्धव ठाकरे, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और तेजस्वी यादव जैसे तमाम विपक्ष के नेता एकजुट हुए। राहुल गांधी की यात्रा और देश की सियासत पर बारी-बारी से सबने बात रखी। ऐसे समय में जब विपक्षी नेताओं और लोगों पर सत्ता का बुलडोजर चल रहा है, देश राहुल गांधी की तरफ देख रहा है। जब लोकतंत्र और संविधान की सारी संस्थाएं एक-एक करके ढहाई जा रही हैं, ऐसे में सड़क का संघर्ष ही भारत के विचारण की रक्षा कर सकता है। जैसे आजादी के आंदोलन में गांधी, नेहरू, पटेल और अंबेडकर के साथ सड़क पर एकजुट होकर लोगों ने अंग्रेजी सत्ता का मुकाबला किया था, वैसे आज राहुल गांधी की दोनों यात्राओं में लोग निर्भय होकर साथ बढ़ चले। इन यात्राओं ने नफरत और डर से खामोश लोगों को अन्याय और अत्याचार की आपवीती कहने-बोलने के लिए प्रेरित किया। राहुल गांधी की खासियत यह है कि वे गांधी परिवार से नेता बने, फिर नेता से लोगों की उम्मीद बने। राहुल गांधी सच की बेखौफ आवाज हैं।

धर्म मंत्र

जब काशी में एक हजार महिला ने गाया 'शिव तांडव स्रोत'

राणसी को आध्यात्मिक नगरी होने के साथ ही बाबा भोलेनाथ की नगरी भी कहा जाता है। अगर आपको बनारस आने का सौभाग्य प्राप्त हो, तो आप देखेंगे कि यहां की प्रत्येक गली में आपको एक छोटा शिव मंदिर दिखाई दे जायेगा। आस्था की इस महानगरी का संबंध प्राचीन काल से है। वाराणसी या बनारस में कल-कल बहती मां गंगा की निर्मल धारा अनायास ही भक्तों को अपने पास बुलाती है। बनारस के घाट भारत के सुप्रसिद्ध घाटों में गिने जाते हैं। वहीं आप जब भी संध्या के समय बनारस के गंगा घाटों पर जाएंगे तो आपको भजन कीर्तन करते साधुओं की टोली नजर आ जाएगी। लेकिन आज हम बात कर रहे हैं वाराणसी में गंगा किनारे हुए एक भव्य आयोजन की। इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि नारी शक्ति को समान देवे हुए 1000 से अधिक महिलाओं द्वारा शिवजी को अव्यंत प्रिय 'शिव तांडव स्नोत' का पाठ कराया गया। इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिए भारत के 14 राज्यों से महिलाएं शामिल हुई थीं। बताया जा रहा है कि इस आयोजन को मुंबई की एक संस्था के द्वारा आयोजित किया गया था और महिलाओं को इसमें शामिल करने का पूरा जिम्मा इस संस्था ने ही उठाया था। इस आयोजन में शामिल हुई महिलाएं जब वाराणसी के गंगा घाट पर लाल और हरे रंग की साड़ी में पहुंची तो नजारा बेहद अद्भुत लग रहा था। वहीं, जब 1000 से भी ज्यादा की संख्या में नारी शक्ति ने एक साथ 'शिव तांडव स्नोत' का पाठ शुरू किया तब गंगा धार का जलपान बिल्कुल ठोक गया।

सोहिंज्याओं पर कोई समझौता नहीं, इनके मानवीय अत्याचारों को नहीं किया जा सकता माफ

वकालत करने वाले खड़े हो गए हैं। ऐसे सभी लोग भारत में अवैध तरीके से की गई इनकी पूरी घुसपैठ को कपीया सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) से जोड़कर देखते हैं, तो कपीया

म वकालत करने वाले खड़े हो गए हैं। ऐसे सभी लागे भारतीय में अवैध तरीके से की गई इनकी पूरी बुशपैट को कभी सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीए) से जोड़कर देखते हैं, तो कभी

रोहिंग्या जातीका ने रोहिंग्या प्रति न हर हुआ पर जाती सभा का बाबू सरकार का समन करते हैं और उनके अलगाववादी विचारधारा के खिलाफ सरकार की सहायता कर रहे हैं। 'एमनेस्टी' ने अपनी पड़ताल में पाया कि रोहिंग्या मुस्लिम आतंकियों ने वर्ष 2017 में म्यांमार में 99 हिन्दुओं का नरसंहार किया था। हिन्दू बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को मारकर जमीन में दबा दिया था। 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' की रिपोर्ट कहती है, नकाबपोश रोहिंग्या मुस्लिम आतंकियों ने सुबह-सुबह गांव में घुसकर हिन्दू महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को धेरा, उनके घरों को लूटा। इसके बाद पुरुषों को अलग करके सबसे पहले उनका नरसंहार किया था। मारे गए इन हिन्दुओं की लाशें बाद में एक सामूहिक कब्र में पाई गईं। इस दौरान रोहिंग्या मुस्लिमों ने कुछ महिलाओं को तभी छोड़ा, जब उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करा दिया गया। बाकी सभी को मारकर दफना दिया गया था। वहीं, जिन आठ महिलाओं ने मुस्लिम बनने की शर्त कबूल कर अपनी जान बचाई, उनकी गवाही भी एक तथ्य के रूप में आज मौजूद है। जांच में यह भी सामने आया है कि रोहिंग्या आतंकियों ने इसके अतिरिक्त भी अन्य कई मौकों पर हिन्दुओं को निशाना बनाया था। म्यांमार में जब रोहिंग्याओं के अत्याचार बढ़ने लगे, तब यहां की सरकार ने अपने देशवासियों के लिए विवाह, परिवार नियोजन, आंदोलन की स्वतंत्रता, रोजगार, शिक्षा, धार्मिक पसंद समेत अन्य कई सख्त कानून लागू किए। जिसमें ये रोहिंग्या फिट नहीं बैठ पाए और यहां से पलायन करने लगे।

कई बांग्लादेश पहुंचे। रोहिंग्या शरणार्थियों के शिविर बांग्लादेश के चट्टग्राम क्षेत्र में हैं जो इस्लामी चरमपंथ और अलगावावादी गतिविधियों के लिए कुख्यात है। अतीत में, उत्तर-पूर्व के आतंकवादियों ने भारत में आतंकवादी हमलों से पहले और बाद में इस क्षेत्र में आश्रय लिया था। रोहिंग्या मुस्लिमों के आतंकवादी संगठन अका-उल-मुजाहिदीन के पाकिस्तान में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) और लश्कर-तोयबा के साथ संबंध उजागर हो चुके हैं। ऐसी खबरें भी हैं कि जम्मू में अवैध रूप से रहने वाले रोहिंग्याओं ने सनजूबावान में सेना शिविर के स्थान के बारे में जैश - मुहम्मद के आतंकवादियों की मदद की थी। सूचना के आधार पर ही जेएम ने एक सेना शिविर पर हमला किया, जिसमें छह भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अब तक देश के अलग-अलग राज्यों में कई प्रकरण सामने आ चुके हैं जिनमें पाया गया कि कैसे ये रोहिंग्या मुसलमान अपराधों में लिप्त हैं। वर्तमान में भारत का कोई राज्य नहीं बचा, जहां इनकी घुसपैठ न हो। दिल्ली से सटे हरियाणा के मेवात (नूह), उत्तराखण्ड के हल्द्वानी, बन्धूलपुरा इलाके में हुए दंगों को अभी बहुत समय नहीं बीता है, इस हिंसा में रोहिंग्या मुसलमानों के हाथ होने की बात सामने आ चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बन्धूलपुरा इलाके में तकरीबन 5,000 रोहिंग्या मुसलमान और अन्य बाहरी लोग रहते हैं। बांग्लादेश के रास्ते भारत में दखिल हुए रोहिंग्याओं ने नेपाल के बाद भारत के मैदानी और पहाड़ दोनों ही स्थानों पर अपनी अवैध बसिस्थान बनाना जारी रखा है। देश की राजधानी दिल्ली, इससे सटे हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड, त्रिपुरा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, करल, गुजरात, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में भी हिंसा, बालाकार, लूट, ड्रग सप्लाई जैसे कई अपराधिक गतिविधियों में अनेकों बार इनकी संलिप्तता सामने आती रही है। फिर भी भारत में ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं जोकि मानवाधिकारों के नाम पर इन अपराधी रोहिंग्याओं की वकालत कर रहे हैं। इन्हें स्थानी रूप से निकट १० साल तक का लूप तुला करता है, जिसका नाम भारतीय स्वागत याचिका पर जो जवाब मोदी सरकार ने दिया है, वह निश्चित ही स्वागत योग्य कदम है। केंद्र सरकार ने आज साफ बता दिया है कि अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों से विदेशी अधिनियम के प्रावधानों वे अनुसार निपटा जाएगा। रोहिंग्याओं ने भारत में अवैध रूप से आकर बड़े संख्या में फर्जी आधार, वोटर आईडी जैसे पहचान पत्र बनवा लिए हैं। इसकी विश्वसनीय जानकारी है कि वो यहां मानव तस्करी समेत देशभर में गंभीर आपाधिक गतिविधियों में शामिल हैं और आंतरिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ये गंभीर खतरा हैं। सरकार ने फिर से स्पष्ट किया है कि एक विदेशी को केवल संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। उसे देश में रहने और बसने वा अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही उपलब्ध है। इसके साथ ही यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत यूनएनएचसीआर शरणार्थी कार्ड को मान्यता नहीं देता, जिसे कुछ रोहिंग्या मुसलमानों ने यह सोचकर हासिल कर लिया है कि इस आधार पर वो भारत में शरणार्थी का दर्जा पा लेंगे। इतना ही नहीं केंद्र ने यह भी साफ कर दिया है कि भारत पहले से ही बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों की घुसपैठ वा गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कुछ सीमावर्ती राज्यों (অসম और পশ্চিম বাংলাল) की ডেমোগ্রাফী হী বদল দী হৈ। মোট ১০ সरকार ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट के ही कई फैसलों का हवाला दिया है। साथ ही सरकार द्वारा न्यायालय को भी यह बता दिया गया था कि सुप्रीम कोर्ट के अधिकारों की एक सीमा है और वह उस हद को पाकरके संसद की शक्तियों को कमतर नहीं कर सकता है। न्यायालिका को संसद और कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत क्षेत्रों में प्रवेश करके अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों को शरणार्थी का दर्जा देने के लिए एक अलग कैटिंगरी बनाने का कोई अधिकार नहीं है। कहने होगा कि केंद्र सरकार का यह स्पष्ट निर्णय अवैध प्रवासन से उत्पन्न चुनौतियों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए सरकार का प्रतिबद्धता को दर्शाता है। -डॉ. मर्याद चतुर्वेदी

मिले

ह र कोई गर्भी के मौसम में रसीले लाल चेरी का आनंद लेना चाहता है। यह लाल फल खट्टेपन के साथ-साथ मीठे स्वाद का भी होता है। चेरी को कच्चा भी खाया जा सकता है या इसे विभिन्न प्रकार के व्यंजनों जैसे कि टार्ट, केक, और ऐडो बॉटे में भी शामिल किया जा सकता है।

रासतों की भूमि रही है बुरहानपुर, जहाँ की यात्रा निश्चित ही आपके लिए अनोखा अनुभव रहेगा। मुगल बादशाह शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का देहात भी यहीं हुआ था। माना जाता है कि यहाँ के काले ताजमहल से प्रेरणा लेते हुए ही आगरा में ताजमहल का निर्माण कराया गया। यहाँ के इतिहास से रूबरू होने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक आते हैं। बुरहानपुर जिले में करीब 158 धरोहरें गिनाई जाती हैं, हालांकि पुरातत्व व पर्यटन की सूची में अभी तक इनमें से कुछ ही सूचीबद्ध हो सकी हैं। नागझिरी घाट- भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल में तापी तट के जितने क्षेत्र में भ्रमण किया, उसका स्कंद पुराण के तापी महात्म्य में उल्लेख है। तापी नदी तट के उत्तरे प्रदेश को रामक्षेत्र कहा गया है। माना जाता है कि यहाँ पर श्रीराम ने अपने पिता महाराज दशरथ का पिंडदान भी किया और शिवलिंग की स्थापना भी की। यह स्थान वर्तमान में नागझिरी नाम कहलाता है। दूसरे पार 12 घण्टे पहिले



चुनाव आयोग के अधिकारी पक्षपाती नजर आ रहे : भाजपा

एंजेसी



नवी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग से मंगलवार को शिकायत की कि लोकसभा चुनावों में भाजपा एवं अन्य दलों के नेताओं की बयानबाजी को लेकर आयोग के अधिकारियों के रूप में समानता नहीं है और तथा पक्षपाती नजर आ रहे हैं।

भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े, केंद्रीय मंत्री अधिकारी वैष्णव, भाजपा के चुनाव प्रक्रोश के प्रमुख ओम पाठक और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूर खन ने अपराह्न चुनाव आयोग में जाकर इस मामले में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए आयोग से निष्पक्षता एवं समानता सुनिश्चित करने था और संजय मयूर खन ने उल्लंघन करने वाले नेताओं पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करने आग्रह किया। चुनाव आयोग में इस

श्री तावड़े ने कहा कि भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के समक्ष विषय के घमडिया गतबंधन के उद्देश्य को उजागर किया। उहोंने कहा कि घमडिया गतबंधन के तीन लक्ष्य हैं, पहला - प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को गाली देना, दूसरा - नारी शिवित का अपमान करना और तीसरा - देश की संस्कृति का अपमान करना। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के समक्ष विभिन्न प्रदेश के चुनाव अधिकारियों द्वारा एक ही प्रकार के विषय पर अलग-अलग प्रकार की कार्रवाई करने की भी शिकायत की। भाजपा महासचिव ने कहा कि इसका उदाहरण है कि केन्द्रीय मंत्री शोधा करंदाजी के ब्यान पर चुनाव आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से देश की अखंडता और प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले नेताओं पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करने आग्रह किया।

इस

विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह, सांसद जसकौर मीणा का टिकट कटा

नवी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

ने मणिपुर के सांसद विदेश राज्य मंत्री डॉ.

राजकुमार रंजन सिंह और राजस्थान की विष्णु

आदिवासी सांसद जसकौर मीणा का टिकट

कट कर उनकी जगह नये उमीदवार उत्तरे हैं।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए राजस्थान

एवं मणिपुर की नेताओं के लिए पुराने नामों

को हटा कर ये उमीदवार आज घोषित किये।

रिवाज को देर रात हुई पार्टी की केन्द्रीय चुनाव

समिति की बैठक में इन नामों को स्वीकृति

प्रदान की गयी। भाजपा ने राजस्थान की धौलिपुर

कौली (सु.) सीट के लिए नये चेहरे को

मौका देते हुए श्रीमती इंदुदेवी जाटव को

उमीदवार बनाया है। इस सीट पर डॉ मनोज

राजोरिया सांसद हैं। जिन्होंने इस बार मोदी

जीवंतीर्थ राज्य संघ परिषद में बैंडी

की अधिकारी और राजस्थान संघर्ष के महेन्जर वहां शांति तथा

सुनिश्चित किया। इन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी और कई अर्थात्

दूसरी जांच में भाजपा की अधिकारी

में भाजपा की अधिकारी और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

संबंधों की मौत हो गयी।

जिन्होंने नेताओं ने भारत और वैलियम के बीच

